



Yogesh Sharma

12 May 2009

01:44 PM

Aligarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 120899703

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 12/05/2009
दिन _____: मंगलवार
जन्म समय _____: 13:44:00 घंटे
इष्ट _____: 20:34:05 घटी
स्थान _____: Aligarh
राज्य _____: Uttar Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 27:54:00 उत्तर
रेखांश _____: 78:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:17:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 13:26:16 घंटे
वेलान्तर _____: 00:03:39 घंटे
साम्पातिक काल _____: 04:47:12 घंटे
सूर्योदय _____: 05:30:21 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:58:13 घंटे
दिनमान _____: 13:27:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: ग्रीष्म
सूर्य के अंश _____: 27:45:05 मेष
लग्न के अंश _____: 19:54:49 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी _____: धनु - गुरु
नक्षत्र-चरण _____: मूल - 2
नक्षत्र स्वामी _____: केतु
योग _____: सिद्ध
करण _____: विष्टि
गण _____: राक्षस
योनि _____: श्वान
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मृग
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: यो-योगेश
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: वृष

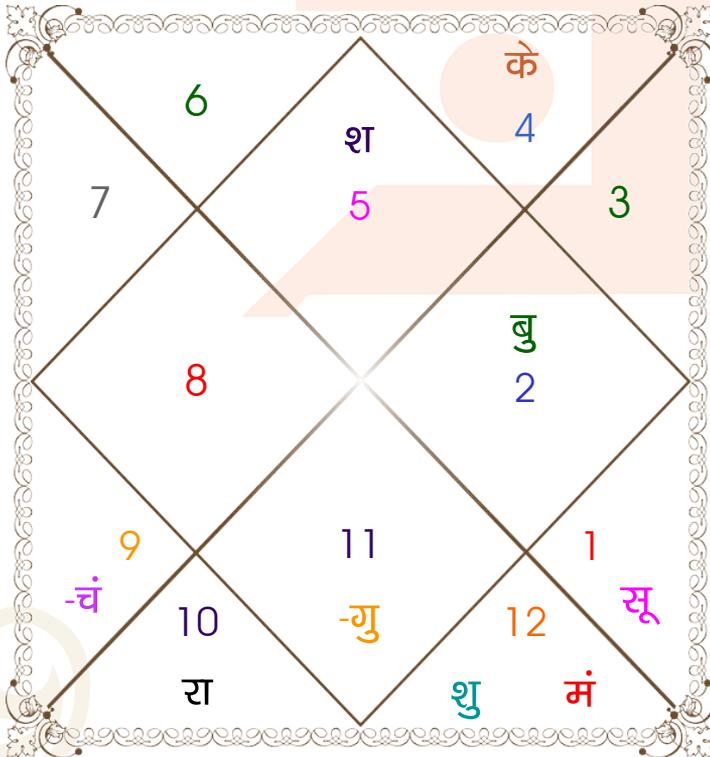
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	19:54:49	318:01:11	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			मेष	27:45:05	00:57:55	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	उच्च राशि
चंद्र			धनु	03:33:40	11:57:28	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	सम राशि
मंगल			मीन	21:13:28	00:45:49	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	मित्र राशि
बुध	व	अ	वृष	06:42:54	00:22:55	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
गुरु			कुंभ	01:14:36	00:06:06	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
शुक्र			मीन	14:48:55	00:41:14	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	उच्च राशि
शनि	व		सिंह	20:56:22	00:00:29	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		मक	08:41:00	00:06:15	उत्तराषाढा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	08:41:00	00:06:15	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष			मीन	01:39:18	00:02:15	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
नेप			कुंभ	02:24:31	00:00:33	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	---
प्लूटो	व		धनु	08:57:34	00:01:03	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
दशम भाव			वृष	19:13:36	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

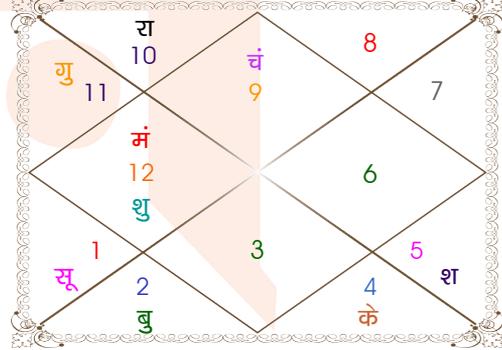
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:59:29

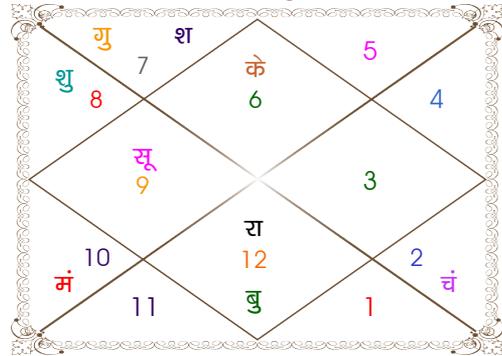
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 1 मास 17 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
12/05/2009	29/06/2014	29/06/2034	28/06/2040	29/06/2050
29/06/2014	29/06/2034	28/06/2040	29/06/2050	29/06/2057
00/00/0000	शुक्र 28/10/2017	सूर्य 17/10/2034	चंद्र 29/04/2041	मंगल 25/11/2050
12/05/2009	सूर्य 29/10/2018	चंद्र 17/04/2035	मंगल 28/11/2041	राहु 14/12/2051
सूर्य 01/06/2009	चंद्र 28/06/2020	मंगल 23/08/2035	राहु 30/05/2043	गुरु 18/11/2052
चंद्र 31/12/2009	मंगल 29/08/2021	राहु 17/07/2036	गुरु 28/09/2044	शनि 28/12/2053
मंगल 30/05/2010	राहु 28/08/2024	गुरु 05/05/2037	शनि 29/04/2046	बुध 26/12/2054
राहु 17/06/2011	गुरु 29/04/2027	शनि 17/04/2038	बुध 29/09/2047	केतु 24/05/2055
गुरु 23/05/2012	शनि 29/06/2030	बुध 21/02/2039	केतु 29/04/2048	शुक्र 23/07/2056
शनि 02/07/2013	बुध 29/04/2033	केतु 29/06/2039	शुक्र 28/12/2049	सूर्य 28/11/2056
बुध 29/06/2014	केतु 29/06/2034	शुक्र 28/06/2040	सूर्य 29/06/2050	चंद्र 29/06/2057

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
29/06/2057	29/06/2075	29/06/2091	30/06/2110	30/06/2127
29/06/2075	29/06/2091	30/06/2110	30/06/2127	00/00/0000
राहु 11/03/2060	गुरु 16/08/2077	शनि 02/07/2094	बुध 26/11/2112	केतु 26/11/2127
गुरु 04/08/2062	शनि 28/02/2080	बुध 11/03/2097	केतु 23/11/2113	शुक्र 25/01/2129
शनि 10/06/2065	बुध 05/06/2082	केतु 20/04/2098	शुक्र 23/09/2116	सूर्य 13/05/2129
बुध 29/12/2067	केतु 11/05/2083	शुक्र 21/06/2101	सूर्य 30/07/2117	00/00/0000
केतु 15/01/2069	शुक्र 09/01/2086	सूर्य 03/06/2102	चंद्र 30/12/2118	00/00/0000
शुक्र 16/01/2072	सूर्य 29/10/2086	चंद्र 02/01/2104	मंगल 27/12/2119	00/00/0000
सूर्य 10/12/2072	चंद्र 28/02/2088	मंगल 10/02/2105	राहु 15/07/2122	00/00/0000
चंद्र 11/06/2074	मंगल 03/02/2089	राहु 18/12/2107	गुरु 20/10/2124	00/00/0000
मंगल 29/06/2075	राहु 29/06/2091	गुरु 30/06/2110	शनि 30/06/2127	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 1 मा 20 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते हैं। उस प्रकार की दिक्कतों का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पत्ति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रयाप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक हैं। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।